किसे भाग लेना चाहिए

प्रतिभागियों को एआईसीटीई अनुमोदित संस्थानों के संकाय सदस्य, अनुसंधान विद्वान, शोध अध्येता, उद्योगिक पेशेवर होना चाहिए।

प्रमाणपत्र जारी करने के लिए पात्रता मानदंड

प्रतिभागियों को कार्यशाला के सभी सत्रों में 80 प्रतिशत उपस्थिति होना अनिवार्य है। चर्चा, प्रश्नोत्तर सत्रों और समूह गतिविधियों में प्रतिभागियों की सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित किया जाता है तथा प्रश्नोत्तर में 75 प्रतिशत अंक आना अनिवार्य है।

आयोजन टीम

डॉ. रश्मि पोपली
सह–प्राध्यापक
कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग

डॉ. सोनाली गुप्ता
सह–प्राध्यापक
कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग

डॉ. उमेश कुमार
सहायक–प्राध्यापक
कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग

तकनीकी सहायता

श्री कृष्ण
और श्री भरत

कार्यशाला के लिए रिपोर्टिंग स्थल

लैब सं. सीसी–08
प्रथम तल
कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग

अधिक जानकारी के लिए ईमेल करें:

Email us at : chairperson.ce@jcboseust.ac.in,
parultomar@jcboseust.ac.in,
gupta_ashlesha@jcboseust.ac.in

संरक्षक

प्रो. राजीव कुमार
कुलगुरु
जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय,
वाईएमसीए, फरीदाबाद, हरियाणा (भारत)

संयोजक

प्रोफेसर (डॉ.) आशुतोष दीक्षित
अध्यक्ष
कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग
जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय,
वाईएमसीए, फरीदाबाद, हरियाणा (भारत)

समन्वयक

डॉ. पारुल तोमर
सह – प्राध्यापक
जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय,
वाईएमसीए, फरीदाबाद, हरियाणा (भारत)

सह समन्वयक

डॉ अश्लेषा गुप्ता
सह – प्राध्यापक
जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय,
वाईएमसीए, फरीदाबाद, हरियाणा (भारत)

जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद (हरियाणा), भारत

नैक द्वारा 'ए+' ग्रेड मान्यता प्राप्त राजकीय विश्वविद्यालय

कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग द्वारा

स्मार्ट शहरों और बुद्धिमान गतिशीलता में तकनीकी नवाचार

पर

दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

18-19 नवंबर, 2025

विश्वविद्यालय के बारे में

जे. सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद (पूर्व में वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, फरीदाबाद) हरियाणा विधानसभा के अधिनियम द्वारा 2009 के तहत अधिसूचित राज्य सरकार का एक विश्वविद्यालय है।

विश्वविद्यालय अधिनियम, विधियों, अध्यादेशों और हरियाणा सरकार के नियमों द्वारा शासित है। विश्वविद्यालय अधिनियम के अनुसार, हरियाणा के राज्यपाल विश्वविद्यालय के कुलाधिपति हैं। इस संस्थान की स्थापना 1969 में कौशल–आधारित इंजीनियरिंग शिक्षा प्रदान करने के लिए इंडो–जर्मन परियोजना के अन्तर्गत ''वाईएमसीए इंजीनियरिंग संस्थान'' के रूप में की गई थी। विश्वविद्यालय को 2012 में यूजीसी द्वारा 12(बी) का दर्जा दिया गया और अक्टूबर, 2022 में राष्ट्रीय मूल्याकन एवं प्रत्यापन परिषद द्वारा 'ए+' ग्रेड की मान्यता दी गई। विश्वविद्यालय इंजीनियरिंग और प्रबंधन कार्यक्रमों की एनबीए मान्यता के साथ, छात्रों के लिए पसंदीदा विकल्प है। विश्वविद्यालय में विज्ञान और इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों से आगे बढ़कर व्यवसाय प्रबंधन और उदारकला विषयों जैसे अधिक से अधिक संकायों को शामिल किया है। विश्वविद्यालय के शिक्षण विभाग में विभिन्न संकायों के तहत सीबीसीएस के तहत 54 कार्यक्रम (पीएचडी सहित) चलाए जा रहे हैं।

विश्वविद्यालय में 200 से अधिक संकाय सदस्य हैं, जिनमें से लगभग 75 प्रतिशत पीएचडी धारक है। विश्वविद्यालय को राज्य सरकार, यूजीसी, एमओई, टीईक्यूआईपी, आरयूएसए और अन्य एजेंसियों से अनुदान के साथ अत्याधुनिक बुनियादी ढाँचा और सुविधाएँ प्राप्त हैं।

विश्वविद्यालय का ओर एक मजबूत औद्योगिक जुड़ाव है जो छात्रों और संकायो को प्लेसमेंट, इंटर्नशिप का बेहतर मौका प्रदान करता है।

विभाग के बारे में

कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग का उद्देश्य उच्च गुणवत्ता वाले नैतिक रूप से समृद्ध कंप्यूटर इंजीनियरों का निर्माण कर राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी जगह बनाना है, जो अत्याधुनिक तकनीक से परिचित हों और आने वाली तकनीकों को अपनाने और लगातार बदलती औद्योगिक मांगों और सामाजिक आवश्यकताओं को पूरा करने की क्षमता रखते हों। यह लोगों के जीवन और राष्ट्र के विकास पर आई टी प्रभाव वाले अनुसंधान क्षेत्रों में योगदान देकर खुद को उत्कृष्टता के केंद्र के रूप में स्थापित करने का प्रयास करता है।

यह विभाग एक सहायक, मैत्रीपूर्ण और चुनौतीपूर्ण शिक्षण और अनुसंधान वातावरण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। विभाग कंप्यूटर इंजीनियरिंग, सूचना प्रौद्योगिकी, डेटा विज्ञान में विशेषज्ञता के साथ कंप्यूटर इंजीनियरिंग, क्षेत्रीय भाषा (हिंदी) में कंप्यूटर इंजीनियरिंग में सनातक डीग्री प्रदान करता है। विभाग कंप्यूटर इंजीनियरिंग और कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग में परास्नातक उपाधि के साथ–साथ कंप्यूटर इंजीनियरिंग कार्यक्रमों में पीएचडी भी प्रदान करता है।

विभाग में शोधहितों की एक विस्तृत श्रृंखला के साथ भावुक शैक्षणिक कर्मचारियों की एक टीम है। कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग के संकाय सदस्यों के पास बहुत मजबूत शैक्षणिक साख है। विभाग के पास उत्कृष्ट संस्थानों से 25 डॉक्टरेट की डिग्री हैं और वेशोध में बहुत सक्रिय हैं। संकाय में छात्रों के विकास के लिए शिक्षण और एक अच्छा शिक्षण वातावरण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्धता है। इसे ध्यान में रखते हुए विभाग कंप्यूटर इंजीनियरिंग के क्षेत्र में संकायों और छात्रों के लाभ के लिए विभिन्न एजेंसियों के साथ से मिनार, सम्मेलन और कार्यशाला आदि आयोजित करता रहता है।

कार्यशाला के बारे में

स्मार्ट शहरों और बुद्धिमान गतिशीलता में तकनीकी नवाचारों पर कार्यशाला एक केंद्रित शैक्षणिक पहल है जिसका उद्देश्य शहरी बुनियादी ढांचे और परिवहन प्रणालियों में उन्नत प्रौद्योगिकियों के एकीकरण की खोज करना है। कार्यशाला का उद्देश्य प्रतिभागियों को स्मार्ट, टिकाऊ और लचीले शहरी वातावरण के विकास में नवीनतम तकनीकी रुझानों और नवाचारों का ज्ञान प्रदान करना है। कार्यशाला शहरी गतिशीलता और प्रबंधन को बढ़ाने में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IoT), बिग डेटा और 5G की भूमिका का पता लगाएगी। कार्यशाला तकनीकी शिक्षा को ओर अधिक समावेशी और सांस्कृतिक बनाने के लिए क्षेत्रीय भारतीय भाषाओं में संवादो को प्रोत्साहित करती है।

कार्यशाला के उद्देश्य

इस कार्यशाला का प्राथमिक उद्देश्य प्रतिभागियों को स्मार्ट सिटी अवधारणाओं और शहरी गतिशीलता के उभरते परिदृश्य की व्यापक समझ प्रदान करना है।

कार्यशाला का उद्देश्य है:

स्मार्ट सिटी नियोजन और बुद्धिमान परिवहन प्रणालियों के मूल सिद्धांतों का परिचय देना।

स्मार्ट शहरी गतिशीलता को सक्षम बनाने में IoT, AI, बिग डेटा और 5G जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों की भूमिका का अन्वेषण करना।

बढ़ती शहरी आबादी के लिए टिकाऊ और समावेशी गतिशीलता समाधानों पर चर्चा करना।

भारत और दुनिया भर से वास्तविक दुनिया की स्मार्ट सिटी पहलों और गतिशीलता केस स्टडीज को प्रदर्शित करना।

शहरी नियोजन, परिवहन और प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में संकाय, शोधकर्ताओं और पेशेवरों के बीच अंतःविषय सहयोग को प्रोत्साहित करना।

प्रतिभागियों को शैक्षणिक पाठ्यक्रम और अनुसंधान में स्मार्ट गतिशीलता समाधानों को एकीकृत करने के लिए ज्ञान और उपकरणों से लैस करना।

WHO SHOULD ATTEND

Participants should be Faculty Members of AICTE Approved Institutions, Research Scholars, Research Fellows, Working Professionals from Industry.

Eligibility Criteria for Certificate Issuance

Participants must attend all sessions of the workshop.

Active Engagement of participants in discussions, Q&A sessions, and group activities is encouraged.

ORGANIZING TEAM

Dr. Rashmi Popli
Associate Professor
Department of Computer Engineering

Dr. Sonali Gupta
Associate Professor
Department of Computer Engineering

Dr. Umesh Kumar
Assistant Professor
Department of Computer Engineering

TECHNICAL SUPPORT

Mr. Krishan
and Mr. Bharat

REPORTING VENUE FOR THE WORKSHOP

Lab No. CC-08
First Floor
Department of Computer Engineering

For more details

Email us at : chairperson.ce@jcboseust.ac.in,
parultomar@jcboseust.ac.in,
gupta_ashlesha@jcboseust.ac.in

PATRON

Prof. Rajive Kumar

Vice-Chancellor, J.C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad, Haryana (INDIA)

CONVENOR

Prof. (Dr.) Ashutosh Dixit
Chairperson
Department of Computer Engineering
J.C Bose University of Science and Technology,
YMCA, Faridabad, Haryana (INDIA)

COORDINATOR

Dr. Parul Tomar
Associate Professor
J.C Bose University of Science and Technology,
YMCA, Faridabad, Haryana (INDIA)

CO-COORDINATOR

Dr. Ashlesha Gupta
Associate Professor
J.C Bose University of Science and Technology,
YMCA, Faridabad, Haryana (INDIA)

J.C. BOSE UNIVERSITY OF SCIENCE AND TECHNOLOGY, YMCA, FARIDABAD, HARYANA (INDIA)

A State Government University (Accredited 'A+' Grade by NAAC)

Department of Computer Engineering

organizes

Two Days Workshop

on

Technological Innovations in Smart Cities and Intelligent Mobility

18th-19th November, 2025

ABOUT THE UNIVERSITY

J.C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad (formerly YMCA University of Science and Technology, Faridabad) is a State Government University, notified in 2009, by an act of the Haryana Legislative Assembly.

The University is governed by act, statutes, ordinances and Haryana Government rules. As per University act, Governor of Haryana is the Chancellor of the University. The institution was founded as "YMCA Institute of Engineering" in 1969 as a part of Indo- German project for imparting skill-based engineering education. Granted 12(B) status by UGC in 2012 and accredited 'A+' grade by NAAC in October, 2022 and with NBA accreditation of most of engineering and management programs, the university is preferred choice for admission.

The University has expanded beyond Science and Engineering courses to include more and more faculties such as Business Management and Liberal Arts subjects. The University teaching departments are running 54 programs (including Ph.D) under CBCS under various faculties. The University has an asset of more than 200 faculty members with about 75% of them having PhD degree.

The strategically located green campus has the state of art infrastructure and facilities with support from State Government and grants from UGC, MoE, TEQIP, RUSA and other agencies.

The University has a strong industry connect that enables placements, internships and exposure of students and faculty. Alumni of the institution are placed at high positions in almost all the major engineering companies and many of them are established industrialists.

ABOUT DEPARTMENT OF COMPUTER ENGINEERING

The Computer Engineering Department aims to make a place at both national and international level by producing high quality ethically rich computer engineers conversant with the state-of-the-art technology with the ability to adapt the upcoming technologies and to cater to the ever changing industrial demands and societal needs. It endeavours to establish itself as a centre of excellence by contributing to research areas having IT impact on the people's life and nation's growth.

It is committed to provide a supportive, friendly and challenging learning and research environment. The department offers Bachelor's Degree in Computer Engineering, Information Technology, Computer Engineering with Specialization in Data Science, Computer Engineering in Regional Language (Hindi), Master's Degree in Technology in Computer Engineering and Computer Science and Engineering along with Ph.D in Computer Engineering programs.

The department has a team of passionate academic staff with a wide range of research interests. The faculty members of the Computer Engineering Department have very strong academic credentials. The department has 25 doctorates degrees from outstanding institutions and they are very active in research. The faculty has commitment and dedication for teaching and providing a good learning environment for the student growth. Keeping this in the view the department regularly organizes various seminars, conferences and workshop etc., with the funding from various agencies for the benefit of faculties and students in the area of computer Engineering.

ABOUT THE WORKSHOP

The workshop on Technological Innovations in Smart Cities and Intelligent Mobility is a focused academic initiative aimed at exploring the integration of advanced technologies into urban infrastructure and transport systems. The workshop is designed to provide participants with the knowledge of latest technological trends and innovations in the development of smart, sustainable, and resilient urban environments. The workshop will explore the role of Artificial Intelligence (AI), Internet of Things (IoT), Big Data, and 5G in enhancing urban mobility and governance. The workshop encourages discourse in regional Indian languages to make technical education more inclusive and culturally rooted.

OBJECTIVES OF THE WORKSHOP

The primary objective of this workshop is to provide participants with a comprehensive understanding of smart city concepts and the evolving landscape of urban mobility.

The workshop aims to:

Introducethe fundamentals of smart city planning and intelligent transportation systems.

Explore the role of emerging technologies such as IoT, AI, Big Data, and 5G in enabling smart urban mobility.

Discuss sustainable and inclusive mobility solutions for growing urban populations.

Showcase real-world smart city initiatives and mobility case studies from India and around the globe.

Encourage interdisciplinary collaboration among faculty, researchers, and practitioners in the fields of urban planning, transportation, and technology.

Equip participants with the knowledge and tools to integrate smart mobility solutions into academic curricula and research.